तापमान
अधिकतम 37.2 डिग्री
न्यूनतम 27.6 डिग्री

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, बुधवार 4 जून 2025

सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

12 फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पदोन्नति...

12 कुडेकेल नाला ध्वस्त, जान हथेली पर रख सफर...

खबर संक्षेप

महुआ शराब जब्त

महासमुंद। बसना पुलिस ने जमदरहा अमलीतरी मौहा पेड़ के पास एक व्यक्ति से महुआ शराब जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी हेमरतन चौहान पिता शिवप्रसाद चौहान (22 साल) ललितपुर चौकी भंवरपुर थाना बसना के कब्जे से 2 लीटर करीबन अवैध देशी महुआ शराब कीमत 400 रुपए को जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 34 (ए) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की।

युवक से मारपीट

महासमुंद। युवक से मारपीट के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस को प्रार्थी जफर सूर्या निवासी वार्ड नंबर 05 नयापारा ने बताया कि वह ड्रायवरी का काम करता हूं। 1 जून की रात 10 बजे एफसीआई गोदाम में ट्रक छोड़कर वापसलौट रहा था। नयापारा नर्सरी के पास पहुंचने पर तो करीबन 10:30 बजे आरोपी किशन और उसके भाई कन्हैया यादव पुराने रंजिश के चलते गाली गलौज करने लगे। मना करने पर किशन ने रॉड से सिर व हाथ पर वार किया। आरोपियों के खिलाफ 115(2), 296, 3(5), 351(3) कर विवेचना में लिया गया है।

समस्या : कलेक्टर जनदर्शन में की शिकायत, शासकीय शिक्षिका पर धोखाधड़ी और धमकाने का आरोप

70 वर्षीय वृद्धा का मकान हड़पा, दी आत्मदाह की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिथौरा (ग्रामीण)

पिथौरा विकासखंड के ग्राम लहरौद निवासी 70 वर्षीय विधवा महिला प्रतिभा मसीह ने कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचकर अपने मकान पर अवैध कब्जे को लेकर उन्होंने आरोप लगाया है कि गांव की ही शासकीय शिक्षिका गंगादेवी ध्रुव ने धोखाधड़ी कर उनका मकान हड़प लिया। कई बार शिकायत करने के बावजूद जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो अब उन्होंने 10 जून को रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास के सामने आत्मदाह करने की चेतावनी दी है।

प्रतिभा मसीह ने जनदर्शन में किए शिकायत में बताया कि उन्होंने 16 जनवरी 2017 को ग्राम लहरौद के वार्ड क्रमांक 6 में स्थित मकान रामसिंग पिता स्व. इंदर सिंह से खरीदा था। वर्ष 2019 में आर्थिक तंगी और स्वास्थ्य समस्याओं के चलते उन्होंने गांव की ही शासकीय शिक्षिका गंगादेवी ध्रुव से 73 हजार रुपए उधार लिए थे। दोनों के बीच यह तय हुआ था कि छह माह के भीतर राशि वापस कर दी जाएगी और तब तक के लिए प्रतिभा ने मकान को गिरवी रखा। प्रतिभा का कहना है कि छह माह की अवधि पूरी होने से पहले ही उन्होंने उधार की पूरी राशि जुटाकर वापस करने की कोशिश की, लेकिन शिक्षिका गंगादेवी ने पैसे लेने से इनकार कर दिया और दावा किया कि अब मकान उन्हीं का है। इतना ही नहीं, शिक्षिका ने उन्हें धमकाते हुए घर से बाहर निकाल दिया। अपने ही मकान से बेदखल हो चुकी प्रतिभा मसीह अब ग्राम डीपोपारा में एक टिन शेड के कच्चे मकान में किराए पर रहने को मजबूर हैं। वर्ष 2023 में लगातार बारिश से यह मकान भी धराशायी हो गया था। ग्रामीणों की मदद से उसे रहने लायक बनाया गया। प्रतिभा का कहना है कि उनके परिवार में कोई कमाने वाला नहीं है, वे अपनी मानसिक रूप से कमजोर बेटी आराधना मसीह और नाती अनमोल मसीह के साथ किसी तरह गुजर-बसर कर रही हैं। प्रतिभा मसीह ने इस पूरे मामले की शिकायत पिथौरा थाना प्रभारी, एसडीएम पिथौरा और अन्य अधिकारियों से की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। एसडीएम ने न्यायालयीन प्रक्रिया का हवाला देकर मामले से दूरी बना ली। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद कोई सुनवाई न होने से वे बेहद हताश और परेशान हैं।

न्याय की गुहार

70 वर्षीय बुजुर्ग महिला प्रतिभा मसीह ने जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए अपील की है कि उनकी वर्षों की मेहनत से बना आशियाना उन्हें लौटाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 10 जून तक उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे रायपुर जाकर मुख्यमंत्री निवास के सामने आत्मदाह करेंगी।

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का भी आरोप

प्रतिभा मसीह ने यह भी आरोप लगाया है कि शिक्षिका गंगादेवी ध्रुव ने लहरौद गांव के जंगल क्षेत्र की शासकीय भूमि सर्वे नंबर 86/1 रकबा 3.190 हेक्टेयर पर भी अवैध कब्जा कर मकान निर्माण शुरू कर दिया था। ग्रामीणों की शिकायत पर तहसीलदार पिथौरा ने स्थगन आदेश जारी किया, लेकिन आदेश के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहा, जिससे गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

3 साल से बंदोबस्त त्रुटि सुधार के लिए भटक रहा किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिस समस्या के समाधान के लिए किसान 3 साल से चक्कर काट रहा उसने उसी समस्या के लिए सुशासन तिहार में भी आवेदन दिया। खास बात यह है कि आवेदन देने की ही शाम उसे उसकी समस्या के लिए विलंब से आवेदन दिए जाने की बात कहकर टाल दिया गया। और इस प्रकार सरकारी हिसाब में आवेदन निराकृत की गिनती में शामिल हो गया।

- सुशासन तिहार में दिए गए आवेदन को बता दिया निराकृत, किसान ने दी अनशन की चेतावनी

मामला समीपस्थ ग्राम बेमचा का है। जहां का किसान रामटहल पिता स्व. पकलू निषाद (80) पिछले 3 साल से बंदोबस्त त्रुटि सुधार के लिए भटक रहा है। जनचौपाल में दिए गए आवेदन में बताया गया कि भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 1513, रकबा 0.053 को बंदोबस्त त्रुटि द्वारा आबादी भूमि खसरा नंबर 1596/1, रकबा 21.27 हेक्टेयर में समाहित किया गया। इसके त्रुटि सुधार के लिए 2021-22 में आवेदन प्रस्तुत किया। अब तक सुधार नहीं हो पाया है। अब तीन साल से किसान चक्कर काट रहा है। 8 मई 2025 को बेमचा में सुशासन तिहार का आयोजन किया गया। इसमें टहलराम निषाद ने आवेदन प्रस्तुत किया। उसी दी किसान को यह लिखकर दे दिया गया कि बंदोबस्त त्रुटि सुधार के लिए आवेदन विलंब से प्रस्तुत हुआ है। किसान ने बंदोबस्त त्रुटि सुधार करने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर अनशन की चेतावनी दी है।

मछली को लेकर दो के बीच मारपीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

मछली की बात को लेकर दो लोगों के बीच मारपीट की घटना में बागबाहरा थाने में अलग-अलग मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को प्रार्थी तपन मंडल निवासी वार्ड नं 5 माना कैंप बिजली ऑफिस के पीछे थाना माना जिला रायपुर ने बताया कि वह वर्तमान में करण सिंह ठाकुर जो चंडी बांध में मछली का ठेका लिया है के यहां लगभग 5 वर्ष से देखरेख काम काम करता हूं। 2 जून को लगभग 2.30 बजे वह खाना बना रहा था, उसी समय आरोपी सोहेब खान आया और कहने लगा कि तुम मछली को कहां किये हो तब उसने करण सिंह ठाकुर के कहने पर बेचने की बात कही। उसके बाद सोहेब खान ने प्रार्थी से गाली गलौज करते हुए अपनी स्कूटी की डिक्की से किसी धारदार चीज को निकाल कर दोनों हाथ में मार दिया।

वहीं दूसरी ओर प्रार्थी सोहेब खान निवासी राजा तालाब रायपुर रानी चौक थाना सिविल लाईन जिला रायपुर ने बताया कि वह मछली पालन का काम करता है और वर्तमान में उसने ग्राम घुंचापाली बांध में मछली पालन का ठेका लिया है। उसे लोगो के माध्यम से पता चला था कि मछली पालन ठेका लिए हुए बांध में चोरी होता है, जिसे देखने वह 2 जून को 2.30 बजे ग्राम घुंचापाली चंडी बांध गया था। वहां आरोपी तपन मंडल जो करण ठाकुर का नौकर है अपने साथियो के साथ शराब पीते खाना पीना कर रहा रहा था। जब वह गया तो तपन मंडल उसे देखकर गाली गलौज कर भगाने लगा और पत्थर से फेंक कर मारा। पुलिस ने दोनों ही मामलों में आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 296 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

इस माह मांगलिक कार्यों के लिए अब मात्र 4 शुभ मुहूर्त

महासमुंद। इस माह जून में मांगलिक कार्यों के लिए मात्र 4 ही शुभ मुहूर्त शेष बचे हैं। इसके बाद सीधे देवउठनी तक विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाएगी। बता दें कि इस साल जनवरी से लेकर मई माह तक ढेरों शादियां हुई। लेकिन, अनेक शादी घरों में तैयारियों के अभाव में वे जून माह के मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं। अब जून माह में गिनती के 4 ही शुभ मुहूर्त हैं। पंडितों के अनुसार जून में विवाह के कुल 6 शुभ मुहूर्त थे जिनमें से 1 व 2 जून का मुहूर्त बीत चुका है। अब 4, 5, 7 और 8 जून ही शेष है। मिली जानकारी के अनुसार 4 जून बुधवार सुबह 8:29 बजे से 5 जून को सुबह 5:23 बजे तक, 5 जून बृहस्पतिवार सुबह 5:23 बजे से सुबह 9:14 बजे तक, 7 जून, 2025 शनिवार सुबह 9:40 बजे से सुबह 11:18 बजे तक, 8 जून रविवार दोपहर 12:18 बजे से दोपहर 12:42 बजे तक ही है। अब इसके बाद देवशयनी एकादशी यानी रथयात्रा के बाद से भगवान 4 माह के लिए योगनिद्रा में चले जाएंगे। बताया गया कि सनातन धर्म में वर को विष्णु तथा वधु को लक्ष्मी के रूप में देखा जाता है। ऐसे में श्री विष्णु के योग निद्रा में जाने के बाद शादी सहित अन्य मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है।

बाइक, ट्रैक्टर-स्कॉर्पियो की भिड़ंत में 1 मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

झलप की ओर आ रहे पिता पुत्र हादसे का शिकार हो गए। टूरीडीह के पास हुई दुर्घटना के सबंध में मिली जानकारी के अनुसार अमोरी निवासी शिव कुमार ध्रुव अपने पुत्र हर्षू ध्रुव के साथ बाइक क्रमांक सीजी 19 बीएन 4400 में सवार होकर झलप आ रहे थे। फोरलेन से लगकर लगे लोहे के एंगल से टकरा कर रोड में गिरने से दोनों को चोट आई। इसी दौरान पीछे से रेत भरकर आ रही ट्रैक्टर जीजे 10 टीवी 9857 ने हड़बड़ाहट में ब्रेक लगाया। जिससे पीछे आ रही स्कॉर्पियो सीजी 04 पीएच 8792 ट्रैक्टर में जा घुसी। जिसमें छिंदोली निवासी युवक सूरज यादव को गंभीर चोट लगी। गंभीर स्थिति मे इलाज के लिए रायपुर ले जाए जाने के दौरान 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई।

40 हजार का महुआ शराब जब्त दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

सिंघोड़ा पुलिस ने दो लोगों के कब्जे से 40 हजार रुपए का महुआ शराब जब्त कर दो आरोपियों के खिलाफ

जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया है।

पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम परसापाली से समदरहा की ओर दो व्यक्ति एक नीले कलर की जुपिटर वाहन सीजी 06 एचडी 2672 में अवैध रूप से हाथ भट्ठी निर्मित देशी महुआ शराब परिवहन कर आ रहे है। पुलिस ने मल्दामाल चौक में नाकाबंदी किया। कुछ समय पश्चात एक नीला कलर की जुपिटर वाहन में दो लोग आ रहे थे, जिन्हें स्टाफ के द्वारा रोका गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम ब्रिजेश जोल्हे पिता स्व घांसीराम जोल्हे (19 साल) पलसापाली थाना बलौदा जिला महासमुंद छत्तीसगढ एवं पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम शिबो बरिहा पिता कुंजबिहारी बरिहा (29 साल) छिबर्रा थाना बलौदा का निवासी होना बताया। पुलिस ने स्कूटी के सामने भाग जूट बोरियों 40 नग प्लास्टिक झिल्ली में भरी हुई कुल 200 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित देशी महुआ शराब कीमत 40000 रुपए को बरामद किया। आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की।

गिरना जंगल में मिला सुअर का सड़ा-गला शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिथौरा (ग्रामीण)

वन परिक्षेत्र के ग्राम गिरना टिकरापारा के जंगल कक्ष क्रमांक 230 में एक बार फिर जंगली सुअर का सड़ा-गला शव मिला है। मृत सुअर की दुर्गंध फैलने पर स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी जानकारी हरिभूमि को दी। हैरानी की बात यह है कि वन विभाग को इस घटना की भनक तक नहीं थी।

गौरतलब है कि पिछले दो महीने में गिरना, भिथीडीह, बुंदेली, ठाकुरदिया खुर्द और बगारपाली के जंगलों में चीतल और जंगली सुअर सहित कुल 6 वन्यजीवों की मौत हो चुकी है। इनकी मौत अवैध शिकार, जहरखुरानी, बिजली के करंट और शिकारी कुत्तों के हमले से हुई है। बावजूद इसके वन विभाग ने अब तक कोई ठोस पहल नहीं की है।

जंगलों में नियमित गश्त नहीं हो रही है और विभाग की निगरानी प्रणाली भी निष्क्रिय पड़ी है। लगातार वन्यजीवों की मौतें इस बात का गवाह हैं कि क्षेत्र में शिकारियों का नेटवर्क सक्रिय है, जिसे रोकने के लिए ठोस रणनीति और सक्षम नेतृत्व की आवश्यकता है।

रेंजर नहीं होने से व्यवस्था चरमराई

लंबे समय से यहां रेंजर की नियुक्ति

नहीं होने के कारण जंगल की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। डिप्टी रेंजर सालिकराम डड़सेना को अस्थायी रूप से प्रभार तो दिया गया है, लेकिन अनुभव और निर्णय क्षमता की कमी के कारण वे वन परिक्षेत्र की जिम्मेदारियों को प्रभावी रूप से निभाने में असमर्थ नजर आ रहे हैं।

इसका सीधा असर वन्यजीवों की सुरक्षा पर पड़ रहा है, जिससे उनकी मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। जब तक यहां स्थायी और अनुभवी रेंजर की नियुक्ति नहीं होती, तब तक हालात में सुधार की उम्मीद करना मुश्किल है।

शव चार दिन पुराना

मृत जंगली सुअर लगभग 7–8 वर्ष का था और उम्रदराज था। प्रारंभिक जांच में शिकार या हमले के कोई संकेत नहीं मिले हैं। जंगली सुअर कटीली झाड़ियों में फंस गया था, जिससे बाहर नहीं निकल पाया और वहीं उसकी मौत हो गई। शव करीब चार दिन पुराना है।

-सालिकराम डडसेना,
प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी पिथौरा

सारादीह और नांदगांव के ग्रामीणों को दी गई कानूनी जानकारी

महासमुंद। आम नागरिकों को सरल कानूनी शिक्षा के माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से विधिक जागरुकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्राधिकरण के प्रबंध कार्यालय के अधिकार मित्र हरिचंद साहू ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुंद के अध्यक्ष तथा जिला न्यायाधीश के मार्गदर्शन पर जिले में विधिक जागरुकता विषयों पर आधारित तथा विशेष कानूनी थीम पर अधारित विधिक जागरुकता शिविर आयोजित कर आमजनों को सरल कानूनी शिक्षा के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।

इसी परिपेक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुंद की सचिव आफरीन बानो द्वारा ग्राम साराडीह और नांदगांव के ग्राम पंचायत भवन पहुंचकर उपस्थित ग्रामीणों को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिए जाने वाली विधिक सेवाएं एवं सहायता के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी गई। इसके ग्रामीणों के कानून से संबंधित उत्सुकता पूर्ण प्रश्नों के जवाब सरल भाषा के माध्यम से महिलाओं से संबंधित होने वाले अपराध, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, टोनही प्रताड़ना अधिनियम तथा नालसा हेल्पलाईन 15100 एवं नालसा पोर्टल के बारे में भी जानकारी दी गई।

जागरुकता शिविर में प्राधिकरण की सचिव आफरीन बानो ने बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39 ए में सभी के लिए न्याय सुनिश्चित किया गया है और गरीबों तथा समाज के कमजोर वर्गों के लिए निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था की गई है। संविधान के अनुच्छेद 14 और 22 (1) के तहत राज्य का यह उत्तदायित्व है कि वह सबके लिए समान अवसर एवं समानता के आधार पर समाज के कमजोर वर्गों को सक्षम विधिक सेवाए प्रदान करने के लिए एक तंत्र की स्थापना करने के लिए वर्ष 1987 में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम पारित किया गया। जिसके तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) का गठन किया गया है, जो कानूनी सहायता कार्यक्रम लागू करने और उसका मूल्यांकन एवं उनके सतत निगरानी का कार्य कर लोगों को कानूनी सहायता एवं सलाह उपलब्ध कराती है। इसी प्रकार प्रत्येक राज्य में एक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जिसके अंतर्गत उस राज्य के पूरे सभी जिलों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा तहसील क्षेत्रों में तालुका विधिक सेवा समिति का गठन किया गया है। इसका कार्य नालसा की नीतियों और निर्देषों को कार्य रूप देना और लोंगो को निःशुल्क कानूनी सेवाए प्रदान कराना होता है।

कलेक्टर लंगेह ने प्राप्त आवेदनों पर त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

जन चौपाल में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जन चौपाल कार्यक्रम में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में बारी-बारी से जिले के आवेदकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जन चौपाल में 82 आवेदन प्राप्त हुए। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आवेदकों ने अपनी समस्याओं, मांगों और शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जन चौपाल में कल्पना गिरी गोस्वामी द्वारा अपने स्वर्गीय पति की दुर्घटना में हुई मृत्यु पर आर्थिक सहायता राशि के लिए आवेदन किया, जिस पर कलेक्टर ने उचित कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। गाम फुलझर के कुबेर साहू तेली समाज कल्याण समिति परिक्षेत्र सराईपाली द्वारा सामुदायिक भवन के लिए भूमि आबंटन के संबंध में आवेदन किया

गया। ग्राम पंचायत साराडीह के सरपंच के पति द्वारा हस्ताक्षर करने विरुद्ध ग्रामवासियों द्वारा आवेदन किया गया, जिस पर कलेक्टर ने जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। ग्राम रावणभाटा पिथौरा निवासी पुष्पा प्रधान द्वारा ट्रैक्टर को अवैध रूप से बेच देने के संबंध में कार्रवाई के लिए आवेदन किया गया। ग्राम बेमचा निवासी रामटहल निषाद द्वारा बंदोबस्त त्रुटि के संबंध में आवेदन किया, इसी क्रम में ग्राम जम्हर पिथौरा निवासी टेकलाल बरिहा ने सीमांकन के लिए आवेदन किए। ग्राम पंचायत नांदगांव निवासी योगेश बरिहा ने वार्ड क्रमांक 19 में पानी भराव की समस्या के निराकरण के लिए सीसी रोड निर्माण के लिए आवेदन किए। ग्राम लोहराकोट पिथौरा के ग्रामवासियों द्वारा ग्राम लोहराकोट में खाद्यान भंडारण एवं वितरण के लिए आवेदन किया गया। जिस पर कलेक्टर ने उचित कार्रवाई हेतु आश्वस्त किया। इसके अलावा जन चौपाल में बड़ी संख्या में सड़क निर्माण, पीएम आवास योजना, नल-जल योजना, वन अधिकार पट्टा, किसान किताब, लंबित भुगतान, अवैध अतिक्रमण, मानदेय राशि सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

सीएम से केन्द्रीय मंत्री पासवान ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सोमवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने श्री पासवान को कोसा वस्त्र एवं बेल मेटल से बने स्मृति चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। गौरतलब है कि केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान एक दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचे थे।

कैट टीम ने राज्यपाल से की मुलाकात

रायपुर। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की टीम ने सोमवार को राज्यपाल रमेन डेका से मुलाकात की। इस दौरान एक राष्ट्र - एक चुनाव पर प्रस्ताव समर्थन पत्र का ज्ञापन सौंपा। कैट टीम ने राज्यपाल को अवगत कराया कि देश में विभिन्न राज्यों में अलग-अलग चुनाव होना न केवल विकास में बाधा पहुंचाते हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी कमजोर करते हैं। भारत विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सभी राज्यों में चुनाव एक ही साथ होने चाहिए। एक देश - एक चुनाव से राजनीतिक स्थिरता बढ़ेगी और लोकतंत्र मजबूत होगा।

सूने मकान से कैश-जेवर समेत लाखों की चोरी

रायपुर। उरला थाने में एक व्यक्ति ने अज्ञात चोर के खिलाफ उसके सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी साढ़े तीन लाख रुपए सहित सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिरगांव निवासी जेठूराम साहू ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। जेठू ने पुलिस को बताया कि वह रविवार को परिवार के साथ धमतरी गया था। दूसरे दिन वापस आने पर घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अज्ञात चोर आलमारी में रखी नकदी रकम तथा सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गया।

रोहित तोमर और उसके बाउंसर के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज

रायपुर । तेलीबांधा थाने की पुलिस ने प्रापर्टी डीलर की शिकायत पर हिस्ट्रीशीटर बदमाश रोहित तोमर और उसके बाउंसर के खिलाफ मारपीट करने का पराध दर्ज किया है। प्रापर्टी डीलर ने रोहित के खिलाफ आपसी रंजिश पर थाने में मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि शनिवार-रविवार की दरमियानी रात वीआईपी रोड स्थित एक रेस्टोरेंट से खाना खाकर निकलने के बाद पार्किंग में रोहित और उसके बाउंसर ने प्रापर्टी डीलर के साथ मारपीट की थी। पुलिस के अनुसार सड्डू कैपिटल सिटी फेस-1 निवासी दसमीत चावला ने मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। दसमीत ने पुलिस को बताया है कि वह घटना दिनांक को अपने दोस्त के साथ एलओडी रेस्टोरेंट से खाना खाकर निकल रहा था। इस दौरान उसका सामना रोहित से हुआ। रोहित, दसमीत के साथ गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर रोहित ने प्रापर्टी डीलर को धक्का देकर गिरा दिया और पास पड़े डंडे से उसकी पिटाई करने लगा। रेस्टोरेंट के बाउंसर ने झगड़ा शांत कराया। इसके बाद पास खड़े रोहित ने अपने बाउंसर के साथ मिलकर प्रापर्टी डीलर के साथ मारपीट की।

निधन

शांतिबाई लूनिया

महासमुंद। स्थानीय गांधी चौक निवासी शांतिबाई लूनिया का आकस्मिक निधन 03 जून मंगलवार को हो गया है। वे नरेन्द्र लूनिया की धर्मपत्नी, अशोक लूनिया की भाभी, अजय, कमल, मुकेश, अभिषेक, अखिलेश, अंकित लूनिया की बड़ी माँ एवं हर्ष भंसाली की नानी थीं।

अतिक्रमण हटाने नोटिस जरूरी नहीं, मीनल ने अधिकारियों को किया फ्री हैंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महापौर मीनल चौबे ने गांधी सदन के सभागार में बारिश पूर्व नाले और नालियों की सफाई कार्य की समीक्षा करने बैठक ली। निगम आयुक्त विश्वदीप के साथ जोन की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने निर्देश दिए। इस दौरान मीनल चौबे ने अधिकारियों से कहा कि नाले-नालियों से अतिक्रमण हटाने तत्परता दिखायें। इसके लिए नोटिस देना जरूरी नही है। यदि नाले नालियों पर अतिक्रमण के कारण जलभराव का अंदेशा है, तो इस पर तत्काल संज्ञान लें। महापौर ने सभी जोन के अधिकारियों को हिदायत दी है कि संसाधन उपलब्ध कराने के बाद भी यदि बारिश में नाले-नालियों में जलभराव की नौबत आई, तो संबंधित जोन कमिश्नर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सीधे जवाबदेह होंगे। आयुक्त विश्वदीप ने कहा, जोन की सफाई व्यवस्था सुधारने पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराये गये हैं, साथ ही पर्याप्त समय दिया गया है। महापौर द्वारा समय-समय पर इसकी समीक्षा एवं निरीक्षण में दिये गये निर्देशों का सभी जोन अधिकारी पालन करें, ताकि बारिश में जलभराव की स्थिति ना आए। यदि किसी जोन में संसाधन की जरूरत है, तो तत्काल संसाधन के लिए प्रस्ताव, मांग स्वीकृति के लिए भेजें।

- गांधी सदन में महापौर मीनल चौबे, आयुक्त विश्वदीप ने बारिश पूर्व नाले-नालियों की सफाई की समीक्षा की
- प्लास्टिक कचरा को नाले-नालियां जाम होने का बताया प्रमुख कारण
- प्लास्टिक की जगह कागज और कपड़े से बने थैलियों के उपयोग पर जोर

प्लास्टिक कचरा नाले-नालियां जाम का प्रमुख कारण : *महापौर मीनल चौबे ने कहा कि शहर में प्लास्टिक कचरा ज्यादा मात्रा में होना नाले-नालियों के जाम होने एवं निकासी प्रबंधन के प्रभावित होने का प्रमुख कारण है। सभी अधिकारी वार्ड पार्षदों के साथ तालमेल बनाकर शहर को प्लास्टिक कचरा मुक्त बनाने जनजागरण अभियान चलायें। इस कार्य में सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाओं, पर्यावरण विभाग और आम जनता को सहभागी बनाकर काम करें। मीनल चौबे ने सभी जोन की जोनवार बारिश की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, यूएस अग्रवाल, कृष्णा खटिक, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही, सभी जोन के जोन कमिश्नर, कार्यपालन अभियंता उपस्थित रहे।*

जल विभाग की बैठक में पूछा कहां कितना टैंकर, बिना सत्यापन के भुगतान नहीं

महापौर मीनल चौबे ने गांधी सदन में जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष साहू की उपस्थिति में जल विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में नलकूप खनन की स्थिति, पेयजल संकट प्रभावित इलाकों में पानी टैंकर की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा पूछा किस क्षेत्र में कितना टैंकर चल रहा है। जोनवार जल विभाग के अभियंताओं से पेयजल के संबंध में उन्होंने जानकारी ली। गर्मी के दौरान वार्डों में पेयजल संकट दूर करने चलाये गये टैंकर के बिल भुगतान के संबंध में जल विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी कि बिना सत्यापन के किराये के पानी टैंकर का बिल भुगतान न करें। पाइप लाइन विस्तार कार्यों के जो प्रस्ताव बनाकर भेजे गये हैं, उन पर निगम स्तर पर समक्ष स्वीकृति लेकर कार्यों को वार्डों में प्रारंभ कराने निर्देश दिए। बैठक में मुख्य अभियंता यूके धलेंद्र, अधीक्षण अभियंता संजय बागड़े, कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र, अंशुल शर्मा सहित जोन के कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता उपस्थित रहे।

निर्यातकों ने मंडी बोर्ड से नियम लचीला करने का आग्रह किया था

गैर बासमती एक्सपोर्टर को मंडी और किसान कल्याण शुल्क से मिलेगी छूट, लेकिन शर्तें करनी होंगी पूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के राइस एक्सपोर्टर्स ने राज्य सरकार से निर्यात होने वाले गैर बासमती चावल के निर्यात को लेकर दस्तावेज में लचीचापन अपनाने का आग्रह किया है। इस संबंध में प्रबंध संचालक कृषि मंडी ने निर्देश दिया है कि एकल पंजीयनधारी चावल निर्यातकों, राइस मिलर द्वारा गैर बासमती चावल के निर्यात पर मंडी शुल्क एवं कृषक कल्याण शुल्क से छूट के लिए सबसे पहले निर्यातक, राइस मिलर द्वारा संबंधित मंडी समिति में क्रय धान का मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क जमा कराया जाए तथा निर्यात की स्थिति में एक माह के अंदर शिपिंग बिल, क्रय आदेश प्रस्तुत करने और उसके दो माह के अंदर कार्यों ओरीजिन छत्तीसगढ़, निर्यात के लिए राज्य का जीएसटी कर, लदान बिल तथा बैंक समाधान विवरण की प्रति प्रस्तुत करने पर मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क से छूट प्रदान की जाएगी।

निर्यात प्रोत्साहन के लिए ये है नियम

राज्य से बाहर गैर बासमति चावल निर्यात के लिए नियम ये है कि प्रदेश के एकल पंजीयनधारी चावल निर्यातकों,राईस मिलर द्वारा शिपिंग बिल में कार्यों ओरीजिन छत्तीसगढ़, निर्यात के लिए छग जीएसटी , लदान बिल तथा बैंक समाधान विवरण की प्रति और प्रदेश के राईस मिलरों द्वारा चावल निर्यातकों पर अनुज्ञा पत्र जारी किये जाने के शर्त के अध्यधीन मंडी शुल्क एवं कृषक कल्याण शुल्क से पूर्णतः छूट अधिसूचना प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष के लिए दी गई है।

नियार्तकों ने रखी थी ये मांग

द राईस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक को पत्र लिखकर कय धान के प्रसंस्करण, पैकेजिंग, लदान के लिए बंदरगाह तक परिवहन, लदान पूर्ण होने के बाद शिपिंग बिल, बिल आफ लोडिंग एवं अन्य दस्तावेज में समय लगने तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी निर्यात से संबंधित दस्तावेज की प्रस्तुति एवं भुगतान प्राप्ति के लिए 90 दिनों की मानक समयावधि निर्धारित करने की मांग की थी। इसके साथ ही निर्यातक से स्व-प्रमाणन पत्र लिया जाकर प्रकिया में लचीलापन प्रदाय करने का आग्रह किया था।

मंडी शुल्क जमा करना है अनिवार्य

मंडी एमडी द्वारा इस संबंध में संयुक्त संचालकों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि कृषि उपज मंडी अधिनियम में यह प्रावधान है कि बगैर मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क का भुगतान किए कृषि उपज के विक्रय या प्रसंस्करण, विनिर्माण पर कृषि उपज, प्रसंस्कृत जिंस के बाजार मूल्य के 5 गुना की दर से मंडी शुल्क वसूली योग्य है। मंडी अधिनियम के प्रावधान से यह स्पष्ट है कि निर्यातक को कृषि उपज के विक्रय या प्रसंस्करण, विनिर्माण के पूर्व मंडी शुल्क जमा करना अनिवार्य है।

एक्सपोर्टरों को अब ये करना होगा

राईस एक्सपोर्ट एसोसिएशन के पत्र, कृषि विभाग की अधिसूचना तथा मंडी अधिनियम के प्रावधानों के परिप्रेक्ष्य में मंडी बोर्ड ने निर्देश जारी किया है। एकल पंजीयनधारी चावल निर्यातकों, राइस मिलर द्वारा गैर बासमति चावल के निर्यात पर मंडी शुल्क एवं कृषक कल्याण शुल्क से छूट के लिए सबसे पहले निर्यातक, राइस मिलर द्वारा संबंधित मंडी समिति में कय धान का मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क जमा कराया जाए तथा निर्यात की स्थिति में एक माह के अंदर शिपिंग बिल, क्रय आदेश प्रस्तुत करने और उसके दो माह के अंदर कार्यों ओरीजिन छत्तीसगढ़, निर्यात के लिए छग जीएसटी, लदान बिल तथा बैंक समाधान विवरण की प्रति प्रस्तुत करने पर मंडी शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क से छूट प्रदान की जाए।

एकल लाइसेंस प्रणाली हो खत्म

रायपुर कृषि मंडी के पूर्व सदस्य विजय शर्मा ने इस संबंध में कहा है कि एकल लाइसेंस प्रणाली को समाप्त किया जाना चाहिए। एक्सपोर्ट के चावल पर जनरल छूट दी जानी चाहिए। मंडी शुल्क में छूट देनी चाहिए। ऐसा होने पर देश भर के एक्सपोर्टर यहां आएंगे। वर्तमान में चल रही धान की नीलामी में वे हिस्सा ले सकते हैं।

विधायक ने किया साहू समाज के सामुदायिक भवन का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बागबाहरा

खल्लारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कसेकेरा में साहू समाज के नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण समारोह मंगलवार को हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव उपस्थित रहे। अध्यक्षता साहू समाज के जिला अध्यक्ष धरमदास साहू ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में भेखलाल साहू, खेमराज साहू, देवेश साहू, प्रेशम साहू, पोखराज साहू, हेमंत साहू, हरिशंकर यादव, राकेश साहू व बिंदेश्वरी यादव शामिल हुए। समारोह की शुरुआत समाज की आराध्य देवी माता कर्मा की पूजा-अर्चना से हुई। इसके पश्चात अतिथियों के करकमलों से सामुदायिक भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। अपने उद्बोधन में विधायक यादव ने साहू समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। बता दें कि इस भवन निर्माण के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपए की सहायता दी गई थी। विधायक यादव ने कहा कि यह भवन समाज के सामूहिक आयोजनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सामाजिक एकजुटता का केन्द्र बनेगा। इस अवसर पर साहू समाज के विभिन्न परिक्षेत्रों से पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

धान के नहीं मिल रहे खरीदार, अब मिलरों को मिलिंग के बदले धान देने का प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मिलिंग की राशि के बदले मिलरों को धान देने का प्रस्ताव छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रस्तावित किया है। इसके अनुसार, मिलर्स को मिलिंग कार्य के लिए धान दिया जाएगा, न कि पैसा। यह प्रस्ताव उन मिलरों के लिए है, जो अतिरिक्त धान की खरीद करेंगे। राज्य सरकार ने 32 लाख मीट्रिक टन अतिशेष धान नीलामी के माध्यम से बेचने दो दौर की नीलामी पूरी कर ली है। अब तक केवल 12 लाख मीट्रिक टन धान का निराकरण हो पाया है।

राज्य शासन की ओर से यह शर्त भी रखी जा रही है कि मिलर्स जितनी मात्रा में अतिशेष धान खरीदेंगे, उतनी ही मात्रा में उन्हें मिलिंग कार्य के बदले धान दिया जाएगा। प्रदेश में राइस मिलर्स को मिलिंग कार्य के लिए हर साल लगभग 3 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता है। इस तरह 3 हजार करोड़ रुपए कीमत के अतिशेष धान का निराकरण होने की उम्मीद है। बताया गया है कि पिछले दिनों जिला कलेक्टर स्थानीय मिलरों पर नीलामी में भाग लेने का दबाव डाल रहे हैं। बताया गया है कि अब तक नीलामी में जो धान बिका है, उसे राज्य के मिलरों और व्यापरियों ने ही खरीदा है।

20 लाख टन धान की नीलामी शेष

बताया गया है कि प्रदेश में अतिशेष धान के की नीलामी के बाद भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं। राइस मिलर्स भी शासन द्वारा निर्धारित विक्रय दर पर धान खरीदने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि अभी तक सिर्फ 12 लाख मीट्रिक टन धान की नीलामी हो पाई है, जबकि इस साल प्रदेश के 82 संग्रहण केन्द्रों में कुल 32 लाख मीट्रिक टन अतिशेष धान की नीलामी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर की जा रही है। 20 लाख मीट्रिक टन धान की नीलामी अभी बाकी है।

5.5 लाख टन धान का उठाव

पूरा धान नहीं बिकने की स्थिति में मानसून के दौरान इसके रखरखाव पर भी अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ेगी। मार्कफेड के मुताबिक प्रदेश में अब तक 10 हजार स्टेक (लगभग 12 लाख मीट्रिक) धान की नीलामी हुई है, इनमें से करीब 5.5 लाख मीट्रिक टन धान का पैसा मार्कफेड के पास आ चुका है और इसका उठाव भी जारी है।

बेस रेट कम करने की मांग

समर्थन मूल्य से कम दर होने के बावजूद धान के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। विक्रय दरें और कम करने की मांग भी उठ रही है। राज्य शासन द्वारा ग्रेड-1 धान (मोटा) नए बोरे में 2100 रुपए व पुराने बोरे में 2050 रुपए प्रति क्विंटल तथा कॉमन धान (मोटा) नए बोरे में 1950 व पुराने बोरे में 1900 रुपए प्रति क्विंटल विक्रय दरें निर्धारित हैं।

मानसून के लिए पॉवर कंपनी के संयंत्रों में भरपूर कोयला

बारिश के कारण बिजली की खपत भी हो जाती है आधी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में इस बार मानसून समय से पहले पहुंच गया है। मानसून में कोयले की खदानों में पानी भरने के कारण कोयले की आपूर्ति नहीं हो पाती। अभी तो बारिश ठीक से हुई भी नहीं है और एसईसीएल की कुसमुंडा की खदान में पानी भरने के कारण कोयले की आपूर्ति प्रभावित हो गई है।

आने वाले समय में जब ज्यादा बारिश होगी, तो कोयले की आपूर्ति और प्रभावित होगी। हमेशा ही मानसून से पहले छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी अपने उत्पादन संयंत्र के लिए कोयले का स्टॉक करती है। पॉवर कंपनी के संयंत्रों में मानसून में कम से कम 15 दिनों का कोयला का स्टॉक रखना जरूरी होता है, लेकिन इस समय संयंत्रों में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है, इसलिए मानसून में परेशानी नहीं होगी। अगर भारी बारिश और झड़ी के कारण 8 से 10 दिनों तक भी कोयले की आपूर्ति प्रभावित रही, तो उत्पादन पर असर नहीं होगा।

वैसे मानसून में बिजली की डिमांड कम रहती है, लेकिन जब बारिश नहीं होती, तो उमस के कारण डिमांड बहुत ज्यादा हो जाती है। पॉवर कंपनी के सभी संयंत्रों में गर्मी के समय भी भरपूर कोयले का स्टॉक रखा गया था। अब मानसून के लिए भी कोयले का पूरा स्टॉक है। हमेशा से मड़वा में कोयले को लेकर परेशानी रहती है, लेकिन इस समय मड़वा में भरपूर कोयले का स्टॉक है। इसी तरह से डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी संयंत्र और कोरबा वेस्ट में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है। कोरबा वेस्ट में तो कन्वेयर बेल्ट से कोयला आता है, यहां कभी परेशानी नहीं होती।

बारिश में डिमांड रहती है बहुत कम

मानसून के समय बारिश होने के कारण बिजली की डिमांड करीब आधी हो जाती है। इस बार तो गर्मी में डिमांड सात हजार मेगावाट के पार चली गई थी। लेकिन बारिश में यह डिमांड तीन हजार से 35 सौ मेगावाट के आस-पास ही रहेगी। क्योंकि मानसून में न तो एसी, कूलर चलते हैं और न ही कृषि पंप चलते हैं। ऐसे में बिजली की कमी होने का सवाल ही नहीं है। अपने संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है। लेकिन उत्पादन हमेशा 25 से 26 सौ मेगावाट होता है। इसी के साथ सेंट्रल सेक्टर का शेयर ही साढ़े तीन हजार मेगावाट है। अगर अपने संयंत्रों में उत्पादन बहुत ज्यादा कम भी हो गया तो सेंट्रल सेक्टर से बिजली लेकर काम चल जाएगा।

चांदी ने भी तोड़ा रिकार्ड, प्रति किलो दाम 102600 रुपए

दस ग्राम सोने के दाम पहली बार एक लाख पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सोने की कीमत ने पहली बार एक लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। सोमवार को जब बाजार खुला, तो सोने की कीमत एक लाख तीन सौ रुपए खुली। इसके पहले 21 अप्रैल को राजधानी रायपुर में सोने के दाम जीएसटी के साथ एक लाख रुपए थी। इसके बाद मई में सोने की कीमत कम हो गई। अब जून में कीमत एक लाख के पार हो गई है। इसी के साथ चांदी की कीमत एक बार फिर से एक लाख के पार होकर 102600 हो गई है।

रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने बताया, सोने और चांदी के भाव में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण लगातार बढ़त हो रही है। श्री मालू ने बताया कि कल यूक्रेन द्वारा रूस पर बड़ा हमला किया गया और यह भी दावा किया गया की यूकेन को अत्यधिक क्षति पहुंचाई गई है इसके साथ ही आज सवेरे रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला किया और रूस ने भी दावा किया कि उसके हमले से यूक्रेन को बड़ा नुकसान हुआ है। इस युद्ध के लंबे चलने एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनिश्चिता के कारण सोने और चांदी के भाव में रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई। सोना एक माह में 3700 प्रति 10 ग्राम एवं चांदी में 6400 प्रति ग्राम की वृद्धि हुई है।

नए साल में 21300 बढ़े दाम

नए साल में अब तक सोने के दाम 21300 रुपए बढ़े हैं, यह अब तक रिकॉर्ड है। इसके पहले कभी भी इतने कम समय में इतने दाम नहीं बढ़े हैं। 31 दिसंबर 2024 को कीमत 78400 रुपए थी, 1 जनवरी को कीमत 79 हजार रही। 7 जनवरी को कीमत 80 हजार पहुंची। इसके बाद एक सप्ताह में कीमत 81 हजार के पार हो गई। फिर एक सप्ताह के बाद कीमत 82 हजारी हुई और अंतिम सप्ताह में पहले कीमत 83 हजारी हुई और फिर माह के अंतिम दिन 31 जनवरी को कीमत 84150 रही। फरवरी में करीब पांच हजार दाम बढ़े और कीमत 89 हजार तक गई। इसके बाद कीमत में कमी आई और फिर मार्च में कीमत में तेजी आती चली गई। मार्च में माह के अंतिम दिन कीमत ने नया रिकॉर्ड बनाया और कीमत 93 हजार के भी पार हो गई। इसके बाद अप्रैल में पहली बार कीमत एक लाख तक पहुंची। इसके बाद मई में कीमत कम हो गई। लेकिन अब फिर से कीमत बढ़ते हुए जून से पहले सप्ताह में एक लाख के पार हो गई है।

नकटी में पीएम आवास के मकान तोड़ने नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ग्राम नकटी में पीएम आवास के तहत बने मकानों को हटाने का नोटिस जिला प्रशासन ने दिया है। सम्मानपुर के कब्जाधारियों के समर्थन में जिला कांग्रेस ने इन मकानों को तोड़ने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

राजधानी से लगा हुआ गांव सम्मानपुर नकटी धरसीवां ब्लॉक में गांव के मूल निवासी गांव की ही शासकीय भूमि पर अपना छोटा घर बना के रहने लगे। उक्त भूमि पंचायत द्वारा उनको दिया गया है। जमीन पर गांव के आवासहीन लोगो को प्रधानमंत्री आवास के तहत आबंटित किया गया है। वे वहां 40 वर्षों से हैं। पंचायत द्वारा यहां पानी-बिजली का काम कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक निवास के लिए जमीन आबंटित करना चाहते हैं, इसलिए गरीब बेसहारा लोगों को नोटिस देकर बेदखल करने की तैयारी कर रहे हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने प्रशासन को सचेत करने एवं ग्रामीणों की मांग को मानने आवास को तोड़ने का आदेश निरस्त कर राहत देने की मांग की है।

खबर संक्षेप

कार्रवाई की मांग को लेकर नायब तहसील तुमगांव को सौंपा ज्ञापन

महासमुंद। भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू ने गलत नाम चढ़ाने पर पटवारी को सस्पेंड करने की मांग को लेकर राजस्व मंत्री और कलेक्टर के नाम नायब तहसील तुमगांव टेकेंद्र नुरूटी को ज्ञापन सौंपा है। तुषार ने ज्ञापन में कहा कि अछोली खसरा नंबर 905/2 में गलत नाम चढ़ाने से लोग बार-बार तहसील ऑफिस का चक्कर काटने में मजबूर हैं, जिससे उन्हें कानूनी या वित्तीय नुकसान, अर्थिक क्षति होती है। उन्होंने कहा कि पटवारी का काम भूमि रिकॉर्ड और अन्य सरकारी दस्तावेजों को ठीक से रखना है। यह एक गंभीर गलती है और पटवारी को सस्पेंड किया जाना चाहिए। गलत नाम चढ़ाना, भूमि रिकॉर्ड में एक महत्वपूर्ण त्रुटि है, जो कानूनी विवादों और अन्य समस्याओं को जन्म दे सकती है। इसलिए संबंधित विभाग को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और पटवारी को निलंबित करना चाहिए। साथ ही पर्यवेक्षक को नोटिस देना चाहिए। इसके अलावा पटवारी के खिलाफ विभागीय जांच भी की जाना चाहिए और दोषी पाए जाने पर उसे और भी सख्त सजा दिया जाए।

कबीर जयंती पर सत्संग 11 को

महासमुंद। कबीर जयंती पर

स्थानीय रायपुर रोड स्थित कबीर मंदिर में 11 जून को एक दिवसीय सत्संग का आयोजन किया गया है। जानकारी देते हुए कबीर मंदिर के व्यवस्थापक जितेंद्र साहेब ने बताया कि मुख्य वक्ता के रूप में कबीर मंदिर ढेठा धमतरी के संत बलवान साहेब होंगे। वे अपने संत मंडली के साथ कबीर साहेब के 627 वीं जयंती पर उपस्थित रहेंगे। उन्होंने सत्संग में भाग लेने की अपील करते हुए बताया कि सत्संग, भजन सुबह 10 से ढाई बजे तक होगा। पश्चात ढाई बजे महाप्रसाद की व्यवस्था है।

आज मनाया जाएगा दाई-बबा दिवस

महासमुंद। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत राष्ट्रीय बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत में 04 जून को दाई-बबा दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह विशेष दिवस आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रत्येक बुधवार को आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेलों के अंतर्गत मनाया जाएगा। इस वर्ष दाई-बबा दिवस की थीम हमारे बुजुर्ग - हमारी धरोहर रखी गई है, जिसका उद्देश्य समुदाय स्तर पर बुजुर्गों के सम्मान को बढ़ावा देना एवं उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी कुदेशिया ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने घर के बुजुर्गों को इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में अवश्य लेकर आएं। प्रत्येक विकासखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मेले का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में सीएचओ, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिनों के सहयोग से बच्चों को प्रेरित किया जाएगा कि वे अपने दादा-दादी या नाना-नानी को मेले में लेकर आएं। आयोजन स्थल पर बुजुर्गों के लिए सुविधाएं, जैसे बैठने की व्यवस्था, छाया, शुद्ध पेयजल आदि उपलब्ध कराई जाएंगी। इस मेले में बुजुर्गों की विभिन्न स्वास्थ्य जांच की जाएगी, जिसमें रक्तचाप, रक्त शर्करा, मोतियाबिंद की जांच, हड्डियों की जांच, मानसिक स्वास्थ्य एवं संज्ञानात्मक परीक्षण शामिल हैं। सभी ब्लाकों को इस आयोजन की व्यापक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 15 जून से

जिले के 308 ग्रामों में विशेष शिविरों का आयोजन, 3 हजार से अधिक कमार जनजातियों को मिलेगा सीधा लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

केंद्र सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आदिवासी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान धरती आबा की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में महासमुंद जिले में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के नेतृत्व में इस अभियान के सफल संचालन और आम नागरिकों के बीच व्यापक जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए 15 जून से 30 जून तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदायों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें सरकारी योजनाओं की मुख्यधारा से जोड़ते हुए समावेशी विकास को बढ़ावा देना है।

इस अभियान में कमार जनजाति पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। जिले के तीन विकासखंडों के 77 चिन्हांकित ग्रामों में निवासरत लगभग 3271 कमार जनजाति के लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा। अभियान की पारदर्शिता एवं सफलता सुनिश्चित करने के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर विशेष निगरानी समितियां गठित की गई हैं, जिनकी सतत निगरानी कलेक्टर स्वयं कर रहे हैं। आदिवासी विकास विभाग को इस अभियान का नोडल विभाग नियुक्त किया गया है, जो अन्य सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य का संचालन कर रहा है। जिले के पांचों विकासखंडों के 308 चयनित ग्रामों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिनके माध्यम से केंद्र सरकार के 18 मंत्रालयों की 25 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे ग्रामीणों तक पहुँचाया जाएगा। महासमुंद के 25, बागबाहरा के 33, पिथौरा के 210, बसना के 24 और सरायपाली के 16 ग्रामों में लगने वाले इन शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों के आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, जनधन योजना, सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, नरेगा जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मुद्रा लोन, मातृ एवं शिशु कल्याण लाभ से आच्छादित किया जाएगा। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य जनजातीय बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में जनजातीय परिवारों के लिए परिपूर्णता कवरेज अपनाकर जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना और उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उनका लाभ दिलवाना है।

चर्चा : कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने ली समय सीमा की बैठक

मोर गांव-मोर पानी अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी से बनेगा सोख्ता गड्ढा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

विकसित कृषि संकल्प यात्रा की प्रगति एवं

- राजस्व वसूली प्रकरणों में अनुविभागीय अधिकारियों को वसूली के निर्देश

एकमुश्त चावल वितरण, एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान, मोर गांव मोर पानी अभियान की तैयारियों की समीक्षा कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने समय सीमा की बैठक लेकर की। बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त लंबित आवेदनों के अतिशीघ्र निराकरण हेतु सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर रवि साहू एवं रविराज ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर लंगेह ने निर्देश देते हुए कहा कि विकसित कृषि संकल्प यात्रा राज्य सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी देना है। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसान योजनाओं का लाभ लें और उनकी आय में वास्तविक वृद्धि हो। इसके लिए फील्ड स्तर पर सफल किसानों से उनके अनुभव साझा किया जाए। ताकि, अन्य किसान भी उनसे प्रेरित हो सके और उन्नत कृषि को अपना सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसानों को प्राकृतिक खेती, ड्रिप सिंचाई, जैविक खाद, बीज उपचार और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के लाभों के बारे में विस्तार से बताया जाए। राजस्व विभाग की समीक्षा में राजस्व वसूली प्रकरणों में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से वसूली की कार्रवाई करते रहें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों सहित कोविड जेएन-1 वेरिएंट से सतर्क रहने हेतु अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए।

कलेक्टर लंगेह ने जून माह में चावल का एकमुश्त वितरण प्रक्रिया पर खाद्य, राजस्व और सहकारिता विभाग के अधिकारियों को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि 30 जून तक 3 माह (जून, जुलाई एवं अगस्त) का चावल वितरण की कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि चावल के वितरण में अनियमितता या व्यपवर्तन की स्थिति में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भंडारण के लिए अनुविभागीय अधिकारी विशेष ध्यान दें एवं सुरक्षित स्थानों का चयन करके समुचित भंडारण करें।

कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह अभियान 5 जून से 30 सितंबर तक चलेगा, जिसके अंतर्गत स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन, अमृत सरोवर, तालाबों, प्रधानमंत्री आवासों के आसपास एवं माइनिंग क्षेत्रों में फलदार पौधे लगाया जाना है। उन्होंने अभियान में अंतर्विभागीय समन्वय एवं नागरिक सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग आवश्यकतानुसार मांग पत्र वन विभाग को भेजें। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचयन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मोर गांव मोर पानी अभियान के अंतर्गत सभी जनपदों के तकनीकी सहायकों को कम से कम 25 जल संरचनाओं के निर्माण का प्रस्ताव देने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही जनभागीदार की सहायता से सभी प्रधानमंत्री आवास, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायतों, छात्रावासों और स्कूलों में सोख्ता गड्ढा अनिवार्य रूप से बनाने के निर्देश दिए हैं। बरसात को ध्यान में रखते हुए पीएचई विभाग को पेयजल टंकियों में क्लोरिनेशन और स्वच्छता सुनिश्चित करने तथा पाइप लाइन में किसी भी प्रकार की लीकेज न हो, इसका प्रमाण पत्र जमा करने को कहा गया।

इस दौरान पीएचई विभाग द्वारा बताया गया कि स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और खेतों के समीप स्थित खुले बोरवेलों को चिन्हित कर बंद कराया जा रहा है। इस दौरान कलेक्टर ने राजस्व विभाग, स्वामित्व योजना, लोक सेवा गारंटी अधिनियम की समीक्षा की। साथ ही आवारा पशुओं को मुख्य मार्ग से हटाने के निर्देश दिए गए। सभी सीएमओ को नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने कहा गया। बैठक में पीएम जनमन योजना के तहत पात्र हितग्राहियों का आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड, जॉब कार्ड एवं केसीसी कार्ड बनाने के निर्देश दिए गए।

डीएपी संकट से जूझ रहे प्रदेश सहित जिले के किसानः विनोद

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के

- खाद संकट उत्पन्न कर धान के पैदावार को प्रभावित करने साय सरकार रच रही षड़यंत्र

पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों को डीएपी की अभूतपूर्व संकट का सामना अभी से करना पड़ रहा है। मानसून केरल आ चुकी है, सप्ताहभर के भीतर छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय हो जाएगा। बीते कुछ दिनों पूर्व हुई बारिश के बाद जिले के किसान खरीफ की तैयारी के लिए थरहा लगाने खेतों की मताई आदि कर रहे हैं। कई किसान नर्सरी तैयार भी कर चुके हैं। ऐसे में डीएपी की सख्त आवश्यकता है, लेकिन सरकार द्वारा सहकारी समितियों में डीएपी उपलब्ध नहीं करा पाने के कारण किसानों को खुले बाजार में अधिक दामों पर डीएपी खरीदकर अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ रहा है।

चंद्राकर ने कहा कि जिले के विभिन्ना सोसायटियों में डीएपी की किल्लत बनी हुई है। पटेवा, झलप क्षेत्र के विभिन्न समितियों में डीएपी नहीं मिल पा रहा है। डीएपी के स्थान पर 20:20:15 नामक एक अन्य खाद का विकल्प किसानों को सुझाया जा रहा है। किसान इस खाद को लेने में हिचकिचा रहे हैं, लेकिन दबाव डालकर जबरदस्ती उन्हें खाद लेने विवश किया जा रहा है। डीएपी धान के पौधों के लिए संजीवनी का कार्य करती है। समय पर डीएपी नहीं मिलने से पौधे विकसित नहीं हो पाते, जिससे धान के पौधों के विकास पर प्रभाव पड़ता है। सरकार किसानों से धान खरीदी से बचने उन्हें कृत्रिम रूप से खाद संकट पैदा कर धान के पैदावार को कम करना चाह रही है। प्री मानसूनी बारिश को लेकर खुर्रा वाले किसान प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं, लेकिन प्रदेश में खाद और बीज की समुचित व्यवस्था यह सरकार नहीं कर पाई है। प्रदेश के ज्यादातर सोसाइटी में किसानों को डीएपी की कमी से जूझना पड़ रहा है, ज्यादातर स्थानों पर बोनी और थरहा के लिए बीज भी किसानों को नहीं मिल पा रहा है, जिसके चलते किसान परेशान हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार के किसान विरोधी षडयंत्रों के चलते ही छत्तीसगढ़ नकली बीज, नकली दवा, नकली खाद और घटिया नैनो यूरिया को खपाने का अड्डा बन गया है। समितियों में जान-बूझकर खाद संकट की स्थिति लायी जा रही है। जिससे मजबूरी में किसान अतिरिक्त दाम पर बाजार से डीएपी तथा नकली खाद विक्रेताओं के चंगुल में फंस सके।

शहर के वार्ड भ्रमण कर नागरिकों की समस्याओं से अवगत हुए नपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू शहर के वार्ड क्रमांक 5 के नागरिकों से मुलाकात कर उनका हाल जाना तथा उनकी समस्याएं सुनी।

भ्रमण के दौरान वार्डवासियों ने नपाध्यक्ष साहू को विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। जिसमें प्रमुख रूप से बादल गली के सामने स्थित गौरा चौरा का मरम्मत, चौक के पास के रंगमंच मरम्मत, वार्ड के विभिन्न गलियों में सड़कों की मरम्मत व सीसी रोड निर्माण, नालियों का जीर्णोद्धार, बोर में पंप लगाने सहित वार्ड के प्रमुख चौक चौराहों में सीसी कैमरा लगाने की मांग की गई। इसके अलावा हड्डी गोदाम के पास रहवासियों को पीएम आवास का लाभ प्रदान करने की मांग की गई।

जिस पर नगर पालिका अध्यक्ष साहू ने समस्त मांगों पर शीघ्र कार्य करने आश्वस्त किया। वहीं पीएम आवास की मांग पर संबंधित विभाग प्रभारियों को सभी का फार्म भरने निर्देशित किया। वार्ड भ्रमण के दौरान नपाध्यक्ष साहू ने नागरिकों के बीच बैठकर उनकी मांगों व समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना तथा वार्ड में समस्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। इस दौरान छोटे बच्चों ने साहू से मिलकर उनके साथ साथ वार्ड भ्रमण किया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने व शहर का नाम रौशन करने बच्चों का उत्साह वर्धन किया।

चारभांठा में सेवानिवृत्ति पर हुआ सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली (ग्रामीण)

महासमुंद जिले के सरायपाली विकासखंड अंतर्गत 31 मई को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चारभांठा में सामान्य शौकीलाल भोई के अधिवार्षिकी सेवा पूर्ण करने पर सेवानिवृत्ति सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भोई के लगभग 43 वर्ष की गौरवमई एवं उत्कृष्ट शासकीय सेवा प्रदान करने पर उपस्थित सभी लोगों ने हर्ष जताया। आहरण एवं संवितरण अधिकारी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पैकिन द्वारा त्वरित पेंशन प्रकरणों का निराकरण कर पेंशन अदायगी आदेश प्रदान किया गया।

समारोह में अतिथियों द्वारा सम्मान उद्बोधन देने के पश्चात उपस्थित सरपंच ग्राम पंचायत चारभांठा, अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति चारभांठा, जनपद सदस्य, जनप्रतिनिधि, संकुल समन्वयक, नागरिक एवं अन्य विद्यालय से आए गुरुजन, स्टाफ के समस्त कर्मचारी, विद्यार्थी एवं ग्रामीणों द्वारा विभिन्न उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया और बैंड बाजा के साथ ग्राम भ्रमण कराया गया, जिसमें समस्त ग्रामवासियों द्वारा अपने घरों में पैर धोकर, माला पहनाकर, श्रीफल से सम्मानित किया गया। ग्रामीणों द्वारा बीच गली में

मंच बनाकर भोई का सम्मान व उद्बोधन कर उपहार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पैकिन के आहरण एवं संवितरण अधिकारी युधिष्ठिर भोई द्वारा समस्त पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के लिए हेमंत कुमार पटेल (लेखपाल), उमाकांत भोई (सहायक ग्रेड 2) की सराहना करने के पश्चात पेंशन अदायगीआदेश प्रदान किया गया। शौकीलाल भोई द्वारा स्कूल के समस्त कार्य प्रभार नरेश कुमार परेश्वर को सौंप कर प्रभारी प्राचार्य का प्रभार दिया गया। चारभांठा के समस्त कर्मचारियों द्वारा भोई के स्वस्थ्य, कुशल एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामना कर आगंतुकों को कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

समारोह में चंद्रशेखर नायक सरपंच ग्राम पंचायत चारभांठा, वेद प्रकाश नायक ज.पं.सदस्य, हृदयराम नायक अध्यक्ष शाला प्रबंधन एवं विकास समिति चारभांठा, राजेश पटेल संकुल समन्वयक चारभांठा, पंकज साहू, मलय साहू, राजेंद्र साहू, उमाशंकर बेहेरा, पूर्ण चंद्र साहू नागरिकों एवं अन्य विद्यालय से आए गुरुजन, स्टाफ के समस्त कर्मचारी, पालकगण, विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

पिथौरा विकासखंड के ग्राम खुटेरी में कृषक चौपाल का आयोजन

कृषि संकल्प अभियान में छह पंचायतों के किसान जुटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ अरंड (पिथौरा)

छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून 2025 तक चलाई जा रही है। इस कड़ी में 3 जून 2025 को ग्राम पंचायत खुटेरी में खुटेरी, जंघोरा, बरतुंगा, कौहाकुड़ा, ठाकुरदिया कला, नयापाराकला कुल 6 पंचायतों के किसान जुटे।

कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर ग्राम सरपंच सुशीला मांझी, जनपद सदस्य दीपक भानुप्रताप दीवान, भाजपा नेता प्यारी नायक तथा कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के द्वारा किया गया। जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक डॉक्टर श्रीधर कीट विज्ञान विशेषज्ञ एवं डॉक्टर कुणाल चंद्राकर कृषि विज्ञान केंद्र महासमुंद मृदा विज्ञान विशेषज्ञ, डॉक्टर विपिन सूर्यवंशी पशुधन विकास, नोहर सिंह निषाद उद्यानिकी, केआर साहू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारियों ने फसल चक्र परिवर्तन, प्राकृतिक जैविक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग, जल संरक्षण, कृषि प्रणाली, मूल्य संवर्धन प्रसंस्करण, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी, फसल से संबंधित विषयों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वय के लिए नोडल अधिकारी रोहित कुमार बरिहा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कमलेश दीवान, गुहा राम दीवान भूमि संरक्षण यशवंत ठाकुर, ज्योति दुबे, कावेरी दुबे, ग्राम खुटेरी सचिव दीपिका यदु, पार्वती दीवान ने सहयोग प्रदान किए।

कार्यक्रम की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रधानपाठक डोलामणि साहू ने किसानों और वैज्ञानिकों के बीच जानकारियां प्राप्त करने और अपनी समस्याओं का समाधान करने संवाद स्थापित किए। इस किसानोपयोगी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपसरपंच गैस राम पटेल, पंचगण रमेश बरिहा, नारायण ध्रुव, ज्योति ठाकुर, रवीना ध्रुव, लिलेश्वरी ध्रुव, कुंज राम पटेल मंडी अध्यक्ष, पूर्व सरपंच घनश्याम धांधी, पूर्व सरपंच रघुनंदन पटेल, ठाकुरदियाकला के सरपंच प्रतिनिधि देवनाथ दीवान, अरंड के सरपंच डिगंबर पटेल, सुखरू मांझी, महेश ध्रुव, दशरथ साहू, रामेश्वर, अनिल पटेल, कृष्णा ध्रुव, श्याम लाल पटेल, नोहर निषाद, बाबूलाल पटेल, चैन सिंह श्याम, चंचल सिन्हा, नेतराम सिन्हा, उत्तरा पटेल, पालूराम पटेल, लालसिंह, टेकलाल पटेल, सुकलाल बरिहा, भागीरथी पटेल, प्रीतम बरिहा, जीवर्धन चौहान, लक्ष्मीलाल लेखराम इत्यादि उपस्थित थे।

महिला उद्यमिता और वित्तीय साक्षरता पर चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण हुआ

महासमुंद। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला उद्यमिता और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महासमुंद जिले में चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस आलोक के मार्गदर्शन में आरसेटी परिसर में हुआ। यह कार्यक्रम प्रशिक्षण का दूसरा बैच था, जिसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों बसना, सरायपाली, बागबाहरा, पिथौरा और महासमुंद से 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इससे पूर्व आयोजित पहले बैच सहित कुल 60 महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। प्रशिक्षण में वित्तीय साक्षरता समुदाय संसाधन व्यक्ति, बैंक सखी तथा प्रशिक्षण संसाधन व्यक्ति जैसी भूमिकाओं को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग संस्था साधन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्था के मास्टर ट्रेनर्स के साथ-साथ कोरबा के जिला प्रमुख नीरज ठाकुर और महासमुंद के जिला प्रमुख दिलीप साहू ने प्रतिभागियों को बैंकिंग प्रक्रियाएं, महिला उद्यमी ऋण विकल्प, और विभिन्न वित्तीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान महिला उद्यमिता को केंद्र में रखते हुए प्रतिभागियों को यह सिखाया गया कि वे किस प्रकार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली से जुड़ सकती हैं, ऋण प्राप्त कर सकती हैं और अपने व्यवसाय को स्थापित व विस्तारित कर सकती हैं। इस प्रक्रिया को सहज और प्रभावी बनाने के लिए खेलों, समूह गतिविधियों और संवादात्मक सत्रों का उपयोग किया गया, जिससे प्रतिभागियों में सीखने के प्रति उत्साह बना रहा। साथ ही सीजीएसआरएलएम (बिहान) स्टाफ को भी प्रशिक्षित किया गया। ताकि, वे अपने-अपने क्षेत्रों में महिलाओं को मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान कर सकें।

खबर संक्षेप

लाफिनखुर्द में 7 दिवसीय समर कैंप का समापन

महासमुंद। शासकीय हाईस्कूल लाफिनखुर्द में शासन के निर्देशानुसार एक और भारतीय भाषा सीखें पहल के अंतर्गत सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का आयोजन सफलतापूर्वक हुआ। इस शिविर के दौरान विभिन्न विषयों पर गतिविधि आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बुनियादी अभिवादन एवं अभिव्यक्ति, वर्चुअल शहर भ्रमण (जैसे रास्ता पूछना, खरीदारी करना), कला, संगीत, नृत्य व चित्रकला, स्थानीय व्यंजन निर्माण, भारतीय संस्कृति की सराहना, सुनने की कौशल का विकास तथा नदी, पहाड़ और ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी जैसे विषयों को शामिल किया गया। सप्ताहभर चली इस गतिविधि में विद्यालय के व्याख्याताओं द्वारा विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला और प्रतिभा का परिचय दिय। सभी आयोजनों में सक्रिय सहभागिता निभाई। समापन दिवस पर संस्था के प्राचार्य भारत साहू ने समर कैंप की विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए इस आयोजन की सराहना की। प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। यह समर कैंप विद्यार्थियों के भाषा कौशल, सांस्कृतिक समझ और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रहा।

निधन

मेघराज रूपरेला

महासमुंद। स्थानीय महामाया पारा निवासी मेघराज रूपरेला (58) का मंगलवार को निधन हो गया। वे जतिन रूपरेला के पिता व मनीष, दिनेश, दीपक, अभिषेक रुपरेला के चाचा थे।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पदोन्नति, शिक्षक पर अब तक कार्रवाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिथौरा (ग्रामीण)

सहायक शिक्षक से प्रधान पाठक के पद पर फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से पदोन्नति प्राप्त करने वाले शिक्षक दिनेश कुमार प्रधान के मामले में अब तक कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की गई है। जांच में साफ तौर पर यह सामने आ चुका है कि उन्होंने पदोन्नति के लिए दस्तावेजों में कूटरचना की है, बावजूद इसके न तो उनकी पदोन्नति निरस्त की गई है और न ही किसी प्रकार की एफआईआर दर्ज की गई है।

संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा विभाग रायपुर द्वारा इस मामले की गहराई से जांच की गई थी, जिसमें कूटरचना की पुष्टि हो चुकी है। इसके बावजूद जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा एक के बाद एक जांच टीम गठित की जा रही है। वर्तमान जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे ने कहा कि वे हाल ही में पदस्थ हुए हैं और उनके कार्यकाल में यह जांच नहीं हुई है, इसलिए वे पुनः जांच टीम गठित कर रिपोर्ट मंगा रहे हैं।

गौरतलब है कि दिनेश कुमार प्रधान पूर्व में बसना विकासखंड के ग्राम पितइपाली में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। वर्ष 2010 में उन्होंने चिकित्सा आधार पर स्वयं के व्यय से पिथौरा विकासखंड में स्थानांतरण कराया था। लेकिन वर्ष 2022 में पदोन्नति के समय इस स्थानांतरण को प्रशासनिक आधार बताकर दस्तावेजों में कूटरचना किया गया, ताकि उन्हें वरिष्ठता का लाभ मिल सके। जबकि, प्रशासनिक नियमों के अनुसार जनपद पंचायत के सीईओ को अन्य विकासखंड में स्थानांतरण करने का अधिकार नहीं होता, लेकिन फिर भी दस्तावेजों में कूटरचना कर दिनेश कुमार प्रधान को प्रधान पाठक पद की पदोन्नति दी गई और वे वर्तमान में अपने गृह ग्राम खैरखुटा में पदस्थ हैं।

फर्जी पदोन्नति मामले में शिक्षा विभाग की चुप्पी पर सवाल, राजनीतिक दबाव में अटकी

फर्जी दस्तावेज़ से पाई पदोन्नति, फिर भी कार्रवाई शून्य

पिथौरा विकासखंड में सहायक शिक्षक दिनेश कुमार प्रधान द्वारा पदोन्नति हेतु किए गए फर्जीवाड़े की पुष्टि के बावजूद अब तक कोई ठोस प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हो सकी है। जांच में कूटरचना साबित होने के बावजूद उनकी पदोन्नति निरस्त नहीं की गई और न ही उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले को लेकर शिक्षा विभाग की निष्क्रियता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

राजनीतिक संरक्षण बन रहा कार्रवाई में बाधा

सूत्रों के अनुसार दिनेश कुमार प्रधान को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण शिक्षा विभाग निर्णायक कार्रवाई करने से बचता रहा है। बार-बार जांच टीम गठित कर मामले को लंबित रखा जा रहा है, जिससे यह प्रतीत होता है कि मामले को जानबूझकर टालने की कोशिश की जा रही है। इससे विभाग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गहरे सवाल खड़े हो गए हैं।

हरिभूमि
फर्जी दस्तावेजों से पदोन्नति पाने वाले शिक्षक पर कार्रवाई नहीं, आक्रोश

मैं अभी हाल ही में यहां पदस्थ हुआ हूं, इसलिए इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है। फाइलें देखने के बाद ही कुछ कह पाऊंगा। फिलहाल, मैंने इस मामले में एक नई जांच टीम बनाई है और जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा हूं।
-विजय लहरे, जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद

समस्या : निर्माण को लेकर सरकार मौन, अनहोनी का इंतजार

कुडेकेल नाला ध्वस्त, जान हथेली पर रख सफर कर रहे हैं ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

जिले के बसना विकासखंड से महज

- बसना विकासखंड के महज तीन किमी दूर है कुडेकेल नाला

तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित कुडेकेल नाला आज ग्रामीणों के लिए मुसीबत का पर्याय बन गया है। अरेकेल, जमड़ी, पोटापारा, सिरको समेत कई गांवों को जोड़ने वाला यह नाला पूरी तरह जर्जर हो चुका है। मानसून की दस्तक से पहले ही पुलिया टूटने की कगार पर है और ग्रामीणों को जान हथेली पर रखकर आवागमन करना पड़ रहा है।

इमरजेंसी सेवाएं प्रभावित, ग्रामीणों का फूटा आक्रोश

नाले के बंद होने से एंबुलेंस तक गांवों में नहीं पहुंच पा रही है। कई बार मरीजों को खाट पर लेकर बाहर लाना पड़ा। ग्रामीणों का आक्रोश अब उबाल पर है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र मरम्मत कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तो अधिकारियों, नेताओं और मंत्रियों का गांव में प्रवेश वर्जित कर दिया जाएगा।

10 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर, समय और धन की बर्बादी

मुख्य मार्ग बाधित होने से ग्रामीणों को बसना तक पहुंचने के लिए 10 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे न केवल समय की बर्बादी हो रही है, बल्कि ग्रामीणों को आर्थिक बोझ भी उठाना पड़ रहा है।

प्रशासन और जनप्रतिनिधि मौन

ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या से शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी केवल आश्वासन ही मिले और अब भाजपा शासन में भी विकास के वादे कागजों तक ही सीमित हैं। ग्रामीणों ने पिछली बार चुनाव में मतदान बहिष्कार तक किया था, पर उनकी आवाज अनसुनी रह गई।

ग्रामीणों की एकजुट मांग, स्थायी पुलिया का हो निर्माण

ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि कुडेकेल नाले पर स्थायी और मजबूत पुलिया का निर्माण तुरंत कराया जाए। ताकि, मानसून के दौरान होने वाली संभावित घटनाओं से बचा जा सके और ग्रामों का मुख्यालय से संपर्क सुचारू रूप से बना रहे।

रोजमर्रा की यात्रा बनी जोखिम भरी चुनौती

इस मार्ग से रोज सैकड़ों ग्रामीण बसना, सरायपाली और अन्य क्षेत्रों की ओर आवागमन करते हैं। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, किसान सभी इस खतरेभरे रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। नाले की हालत यह है कि अब बाइक और साइकिल निकालना भी दुश्वार हो गया है। ग्रामीणों ने मुरुम डालकर अस्थायी मार्ग बनाने की कोशिश की, लेकिन वह भी बारिश में बहकर पूरी तरह बेकार हो गया।

तेज बहाव ने बढ़ाई परेशानी, पुलिया कभी भी हो सकती है ध्वस्त

बीते तीन दिनों से क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश से नाले का जलस्तर बढ़ गया है। तेज बहाव के कारण बची-खुची पुलिया भी कभी भी ढह सकती है। यह स्थिति सिर्फ आवागमन नहीं, बल्कि जान का खतरा बन चुकी है।

तीन विधायक, एक सांसद फिर भी समस्या जस की तस

इस क्षेत्र से तीन विधायक और एक सांसद निर्वाचित हो चुके हैं, लेकिन पुलिया आज भी जर्जर हालत में पड़ी है। यह प्रशासनिक उदासीनता का जीता-जागता उदाहरण है। जनता अब इन वादों से थक चुकी है और कार्य की प्रतीक्षा कर रही है।

राशन दुकान में मनाया गया चावल उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं खाद्य मंत्री दयालदास बघेल के निर्देश पर प्रदेश के सभी सार्वजनिक राशन दुकानों में चावल उत्सव जून माह से प्रारंभ हो गया। प्रज्ञा महिला स्वसहकारी समिति द्वारा संचालित सार्वजनिक वितरण केंद्र में चावल उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, पार्षद वार्ड नं. 13 एवं पूर्व नपाउपाध्यक्ष नानू भाई, पार्षद प्रतिनिधिगण पीयूष साहू, सोनाधर सोनवानी, पप्पू ठाकुर, भाजपा नेता हनीष बग्गा, मकसूद खान, अमित साहू, महेंद्र, गौरव राठी प्रमुख रूप से उपस्थित होकर 3 माह का चावल वितरण कर चावल उत्सव का शुभारम्भ किया।

9 राशन कार्डधारियों को चावल दिया गया। बीपीएल राशन कार्डधारियों के अलावा एपीएल राशनकार्ड के हितग्राहियों को भी एक साथ 3 माह का चावल शासन द्वारा दिया जाना है। राशन दुकान के संचालक को हिदायत दी गई कि सभी हितग्राहियों को समय पर चावल पूरे 3 माह का देवें। माप तौल में गड़बड़ी न हो, इसका ध्यान रखें। स्टाक प्रतिदिन कम से कम 100 राशन कार्डधारियों के हिसाब से रहे तथा दुकान निर्धारित समय पर खोला जाए। राशन केंद्र में लगे निगरानी समिति सूची में पुराने जनप्रतिनिधियों का नाम विलोपित कर नए जनप्रतिनिधि का नाम रखें। निगरानी समिति की बैठक भी माह में एक बार बुलाई जाए तथा आसपास के लोगों में चावल उत्सव का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करें कि लोग शीघ्र आकर राशन लें।

राठी ने यह भी बताया कि जून माह में 3 माह का चावल दिया जा रहा है। अगर कोई जुलाई में लेने आएगा उसे नहीं मिल पाएगा। इसलिए हितग्राहियों से अपील है कि निकट के राशन दुकान में पहले पहुंचकर अपना चावल पहले मुफ्त में पाए। उपरोक्त सभी जनप्रतिनिधियों ने छग शासन के चावल उत्सव की प्रशंसा करते हुए शासन का आभार व्यक्त किया है।

कार्यशाला में परीक्षार्थियों ने लोक संगीत के साथ सीखे लोक विधा नाचा गम्मत के गुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्रा

लोक कलाकार सरंक्षण समिति बागबाहरा के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय आवासीय लोक संगीत, कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे परीक्षार्थियों ने छत्तीसगढ़ संस्कृति के अनमोल धरोहरों में से एक पारंपारिक लोक विधा नाचा गम्मत का प्रस्तुतिकरण देख कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें अंचल के सुप्रसिद्ध नाचा गम्मत कका भतीजा के संस्थापक एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश नाचा गम्मत संघ के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत चक्रधारी एवं साथी बिष्णु यादव, चुम्मन साहू द्वारा जोकर परी के हास्य संवाद के माध्यम से लोगों में नाचा गम्मत के माध्यम जो शिक्षा, प्रेरणा, जागरुकता, शिक्षाप्रद संदेश देने का कार्य जो करते हैं उन्हें परीक्षार्थियों के बीच प्रस्तुति देकर मनोरंजन करते नजर आए। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मंदिर चलो अभियान मातृ संगठन के अध्यक्ष एवं चक्रधारी

कुम्हार समाज महिला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष खुशबू चक्रधारी ने छत्तीसगढ़ के लोक विधा नाचा गम्मत की प्रस्तुति देख खूब प्रशंसा एवं सराहना करते हुए नाचा गम्मत कलाकारों को नाचा गम्मत को जीवंत रखने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार के लोक संगीत कार्यशाला एवं हमारे छत्तीसगढ़ी बोली भाखा को जीवंत रखने के लिए लोक कलाकार संरक्षण समिति बागबाहरा कार्य सराहनीय है। लोक कलाकार सरंक्षण समिति के अध्यक्ष टीकम पटेल ने बताया कि इस प्रकार कि कार्यशाला विगत चार वर्षों से बिना शासन प्रशासन के सहयोग से हो रहा है। कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करने प्रदेशभर से 250 प्रशिक्षार्थी आए है। कार्यशाला में लोक कलाकार संरक्षण समिति बागबाहरा के उपाध्यक्ष डिमान सेन, संरक्षक धनराज साहू, चिंता सेन, हबीब खान, हरकेश महानंद, महेंद्र साहू, रंजीत चक्रधारी, किरण क्षत्रे, निजाम कन्हारपुरिहा, लक्ष्मण हिरवानी, सचिव बालेश साहू, सहसचिव विश्राम यादव, मनोज यादव आदि सहयोग कर रहे हैं।

सात दिवसीय मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय नवीन महाविद्यालय चिरको में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्रभारी प्राचार्य ह्यूमा लिली दीवान के निर्देशन एवं संयोजक तरुण कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में टैली एवं उसका अनुप्रयोग विषय पर 26 मई से 02 जून तक सात दिवसीय मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्नातक स्तर के सभी संकाय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता प्रदान किए। प्रशिक्षण में छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर टैली अंतर्गत डेबिट-क्रेडिट एंट्री, बैंकिंग, अकाउंटिंग, फाइनेंशियल रिपोर्टिंग से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंतिम दिवस के द्वितीय सत्र में प्राचार्य ह्यूमा लिली दीवान की अध्यक्षता में प्रशस्ति पत्र वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में देवकी पटेल जिला पंचायत सदस्य, विकास अग्रवाल अध्यक्ष जन भागीदारी समिति, खेमराज भट्ट सरपंच ग्राम पंचायत चिरको, गोरेलाल साहू सदस्य जनभागीदारी समिति उपस्थित थे। विकास अग्रवाल ने व्यवसाय के क्षेत्र में टैली की उपयोगिता के विषय में जानकारी दी। खेमराज भट्ट ने छात्र-छात्राओं को टैली के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगी अन्य स्किल्स को भी सीखने पर जोर दिया। कार्यक्रम संयोजक तरुण कुमार ध्रुव ने सात दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी। श्रीमती दीवान ने एनईपी करिकुलम में स्किल्स का स्थान एवं भविष्य में रोजगार की संभावना से अवगत कराया। प्रशिक्षणार्थियों में आरती ध्रुव, साजिद खान, करण अंसारी व मोतिम धीवर ने सात दिवसीय मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम पर फीडबैक प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक लता भोई एवं आभार प्रदर्शन मनहरण ठाकुर ने किया। अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के 4 शोधार्थियों की प्रथम डीआरसी बैठक हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग शोध केंद्र में 02 जून 2025 को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की बैठक हुई। बैठक में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.करुणा दुबे डीआरसी शोध समिति अध्यक्ष तथा डॉ. मालती तिवारी शोध निर्देशक एवं विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, मनीराम धीवर विभागाध्यक्ष भौतिकशास्त्र, डॉ ईपी चेलक विज्ञान संकाय अध्यक्ष, डॉ दुर्गावती भारतीय विभागाध्यक्ष हिंदी, अजय कुमार राजा विभागाध्यक्ष वाणिज्य की उपस्थिति में 04 शोधार्थियों ने क्रमशः शोधार्थी प्रज्ञा चौधरी जिनका विषय स्वच्छ भारत ग्रामीण मिशन और ग्राम पंचायतों की पर्यावरणीय राजनीतियां एक तुलनात्मक अध्ययन रायपुर जिला के विशेष संदर्भ में, शोधार्थी धनेश्वरी कोसले का विषय छग में महिला प्रशासनिक अधिकारियों की समस्याओं का विश्लेषणात्मक

अध्ययन रायपुर जिले के विशेष संदर्भ में, शोधार्थी पुरुषोत्तम कुमार साहू का विषय ग्राम पंचायतों में महिला आरक्षण का सामाजिक, राजनीतिक प्रभाव महासमुंद जिले के विशेष संदर्भ एवं शोधार्थी लेखा शर्मा का विषय छग में चुनाव आचार संहिता की प्रभावशीलता का मूल्यांकन लोकसभा एवं विधानसभा निर्वाचन के संबंध में रूपरेखा प्रस्तुतिकरण दिया गया। इस अवसर पर प्रदीप कन्हेर विभागाध्यक्ष रसायनशास्त्र, राजेश्वरी सोनी सहायक प्राध्या. वाणिज्य, शोधार्थी केशरचंद बनपाल सहायक प्राध्या. राजनीति विज्ञान, महेन्द्र कुमार साहू आरंग सहित इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य अधिकारी, कर्मचारियों ने हर्ष जताया है।

संकल्प अभियान के तहत किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों की दी जा रही जानकारी

30 क्लस्टर के दो सौ से अधिक गांवों में पहुंचा कृषि रथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के विकसित कृषि संकल्प अभियान की संकल्पना को साकार करने एवं किसान, अनुसंधान और विज्ञान को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार 3 कृषि वैज्ञानिकों की टीम गठित की गई है। यह टीम 29 मई से प्रतिदिन जिले के 3 क्लस्टर गांवों में जाकर खरीफ 2025 में लगाई जाने वाली फसलों की उन्नत काश्त तकनीकों की जानकारी किसानों को दे रही है। आज दिनांक तक 30 क्लस्टर अंतर्गत 240 गांवों तक कृषि रथ पहुंचकर किसानों को नवीनतम तकनीक, फसल चक्र परिवर्तन एवं उन्नत बीज के बारे में जानकारी दे रहे हैं। साथ ही नवोन्वेषी किसानों द्वारा जानकारी साझा किया जा रहा है। अब तक जिले के महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा एवं सरायपाली विकासखंड के 30 क्लस्टरों में कार्यक्रम आयोजित हो चुके हैं। इनमें झालखम्हरिया, खट्टी, किशनपुर, टेका, गेर्रा, छिबर्रा, हाथीबाहरा, टेका, परसवानी, रिखादादर, केदवा, जम्हारी, सिरपुर,

छपोराडीह, पिरदा, लिमदरहा, सिंघोड़ा, कलेंडा, पाली, बावनकेरा, कसहीबाहरा, कोकोभाठा, डूमरपाली, अंतरझोला, बिरकोनी, बेलसोंडा, खुटेरी, बगारपाली, किसड़ी एवं अर्जुडा शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में अब तक 36 क्लस्टर अंतर्गत 240 गांवों के लगभग 2000 से अधिक किसान शामिल हो चुके हैं और कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा में भाग ले चुके हैं। इन शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल हो रहे हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों के लिए वैज्ञानिक तकनीकी सुझाव प्रदान करना, नवीनतम कृषि तकनीकों का प्रसार करना, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार संतुलित उर्वरक उपयोग पर जागरूकता बढ़ाना, उन्नत कृषि यंत्रों जैसे सीड ड्रिल, प्लांटर मशीन, पैडी ट्रांसप्लांटर, ब्रॉड बेड फरो मशीन का उपयोग बढ़ाना, ड्रोन तकनीक का प्रदर्शन, समन्वित कृषि प्रणाली, बीज उपचार, जल संरक्षण, समन्वित कीट प्रबंधन, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल चक्र परिवर्तन और लाभदायक फसलों के बारे में जानकारी देना है। साथ ही कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं की जानकारी भी किसानों को दी जा रही है। ग्रामों के प्रगतिशील किसान भी इस दौरान अपने अनुभव साझा कर रहे हैं और दूसरों को नवीनतम कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

ग्राम व क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण भी इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए किसानों को जागरूक कर रहे हैं। उप संचालक कृषि एफआर कश्यप ने बताया कि इस अभियान के दौरान कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों से फीडबैक भी लिया जा रहा है। यह फीडबैक पारंपरिक ज्ञान, नवाचारों और अनुभवों पर आधारित होगा।